दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 सीएम योगी का कन्या पूजन | 5 खुद का रोजगार करें शुरू | 8 फिर आया इंडिया का त्योहार

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 40 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 30 मार्च, 2026

एयरपोर्ट के साथ ही टेक आफ करेगा नोएडा-ग्रेनो का विकास

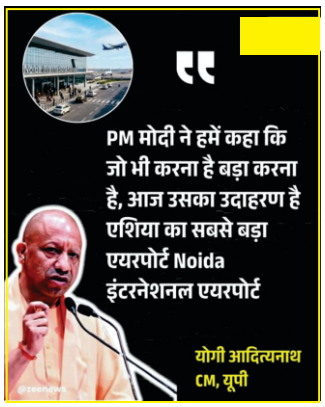

एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट

उम्मीदों की उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का किया उद्घाटन

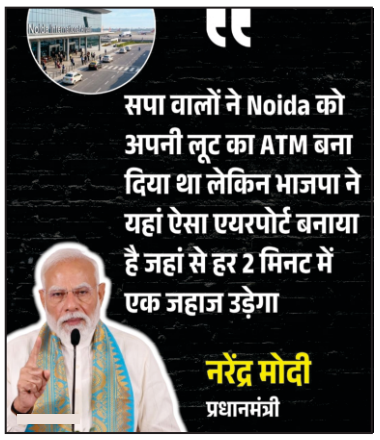

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। पीएम मोदी ने आगे कहा, श्यह सभी प्रोजेक्ट पूरा होना डबल इंजन की सरकार का शानदार उदाहरण है। सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है। आपने वीडियो में देखा, यह ऐसा एयरपोर्ट बन रहा है, जिससे हर दो मिनट में एक जहाज उड़ेगा।

भारत इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा, श्हर देश इस संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ कोशिश कर रहा है। हमारा भारत भी इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। देश वासियों की ताकत के भरोसा कर रहा है। भारत तो बहुत बड़ी मात्रा कच्चा तेल और गैस, युद्ध के प्रभावित इलाके से मंगाता है। इसलिए हर वो कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों पर, किसानों पर इस संकट का बोझ न पड़े। संकट के इस समय पर भी भारत ने अपने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है। मैं सिर्फ पश्चिमी यूपी की बात करूं तो पिछले कुछ सप्ताह में ही यह चौथा बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका शिलान्यास या लोकार्पण हुआ है। इन कुछ ही सप्ताह में इस दौरान नोएडा में बहुत बड़ी सेमीकंक्टर फैक्टरी का शिलान्यास हुआ। इसी काल खंड में देश की पहली दिल्ली–मेरठ नमो भारत ट्रेन ने गति पकड़ी। इसकी काल खंड में मेरठ मेट्रो का विस्तार किया गया। इतने कम समय में आज नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का आप सबके हाथों से उद्घाटन हो गया।

पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, श्पश्चिम यूपी की जनता को इस एयरपोर्ट के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आज का यह कार्यक्रम, भारत के नए मिजाज का प्रतीक है। आप सभी देख रहे हैं कि आज पूरा विश्व कितना चिंतित है। पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने–पीने के सामान पेट्रोल–डीजल, गैस आदि ऐसे कई चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है।पीएम मोदी ने कहा, श्कई देशों में खाने पीने की चीजों का संकट पैदा हो गया है। भारत देश वासियो की ताकत के सहारे सामना कर रहा है। सामान्य परिवारों और किसानो पर बोझ नहीं पड़े, सरकार वो काम कर रही है। संकट में विकास नहीं रुका है, यूपी में ही पिछले कुछ सप्ताह में बड़े बड़े प्रोजेक्ट मिले।

यह विकसित उत्तर प्रदेश की उड़ान का प्रतीक बनेगाः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, श्देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक बन गया है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। पहलारू इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरारू जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है। पीएम ने कहा, श्साथियों यह एयरपोर्ट आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, इटावा, बुलंदशहर, फरीदाबाद इस पूरे क्षेत्र को बहुत बड़ा लाभ होने वाला है। हिंदुस्तान और यूपी का तो होना ही होना है, यह एयरपोर्ट पश्चिम यूपी के किसानों, छोटे और लघु उद्योगों और भारत के नौवजानों के लिए अनेक अवसर देने वाला है। यहां से दुनिया के लिए विमान तो उड़ेंगे ही, साथ ही यह विकसित उत्तर प्रदेश की उड़ान का प्रतीक बनेगा।

दिल्ली,एजेंसी। नेपाल में नई सरकार बनते ही सियासी हलचल तेज हो गई है. प्रधानमंत्री बालेन के नेतृत्व में बनी सरकार ने शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर ही बड़ा और सख्त फैसला लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार कर लिया है. यह कार्रवाई जेन–जी प्रदर्शन के दौरान छात्रों की मौत के मामले में की गई है, जिसमें इन दोनों नेताओं को जिम्मेदार ठहराया गया था. जानकारी के मुताबिक, बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में ही जांच आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था. इसी के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई।

पेट्रोल पम्पों पर लगी लाइनें

-गोरखपुर

-कानपुर

-लखनऊ

सम्पादकीय

अनिश्चित भविष्य वाला युद्ध

ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद इतिहास ने भले ही एक नई करवट ली हो, लेकिन वहां कुछ परंपराएं जस की तस बनी रहीं। ऐसी ही एक परंपरा ईरानी नववर्ष नौरोज के आयोजन से जुड़ी हुई है, जिसे पलटने के लिए दबाव तो जरूर पड़ा, लेकिन वह कारगर नहीं रहा। वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही 21 मार्च को आरंभ होने वाला यह आयोजन 13 दिनों तक चलता है। इसी दौरान भारत में पारंपरिक नववर्ष, उगादी, गुड़ी पड़वा और चौत्र नवरात्र का उत्सव भी मनाया जाता है। यह ईरानी और भारतीय संस्कृति के बीच कुछ समानताओं को भी दर्शाता है। देखा जाए तो इस साल नौरोज ईरान के लिए बहुत सुखद नहीं रहा, क्योंकि अमेरिका और इजरायल ने उसके खिलाफ युद्ध छेड़ा हुआ है। निरंतर हमलों और शीर्ष नेताओं की मौत के बावजूद ईरानियों का हौसला डिगा नहीं है। संभव है कि इसके पीछे कर्बला की शहादत उनकी प्रेरणा बनी है। इस्लामिक क्रांति के दौरान अयातुल्ला खुमैनी यह नारा भी दिया करते थे कि 'हर दिन आशुरा है और हर जगह कर्बला है।' इसका सीधा अर्थ है कि हर दिन संघर्ष है और हर संघर्ष कर्बला की रणभूमि। अमेरिका इजरायल के विरुद्ध जारी इस लड़ाई में ईरानी इसी संकल्प के साथ प्रतिरोध का प्रतीक बनकर उभरे हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया की सबसे शक्तिशाली अमेरिकी सेना और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान को बहुत नुकसान पहुंचा है। पहले से ही तमाम प्रतिबंध झेल रहे ईरान के लिए इस युद्ध ने मुश्किलें और बढ़ाने का काम किया है।

उसके परमाणु ठिकानों से लेकर संवेदनशील एवं रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया। उसके शीर्ष नेतृत्व का करीब–करीब सफाया हो गया है, जिसमें सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से लेकर बेहद प्रभावशाली अली लारीजानी जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। ऐसी परिस्थितियों में संभवतरू कोई अन्य देश घुटने टेक चुका होता, पर ईरान ने जबरदस्त पलटवार किया। उसने इजरायल के उन ठिकानों पर भी हमले किए, जिनके बारे में ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता था। ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं ने बड़े–बड़े रणनीतिकारों को भी हैरान करने का काम किया। उसने होर्मुज जलमार्ग पर अपना नियंत्रण मजबूत कर आवाजाही को प्रभावित किया। साथ ही साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सहयोगियों और उनकी परिसंपत्तियों को निशाना बनाकर अपने हौसले के साथ ही मारक क्षमता का प्रदर्शन कर एक तरह से हमलावरों को ही कुछ हद तक रक्षात्मक रुख अपनाने पर विवश कर दिया।

चूंकि अब यह युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है, इसलिए यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यह किस दिशा में जा रहा है। यह सही है कि अमेरिका–इजरायल ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व को मार गिराया, लेकिन सत्ता के ढांचे में अपेक्षित परिवर्तन की उनकी मंशा न तो पूरी हो पाई है और न पूरी होती दिख रही है। उलटे जो नए नेता कमान संभाल रहे हैं, वे पुराने नेताओं से भी ज्यादा कट्टरता दिखा रहे हैं। ऐसे में यही देखना होगा कि हमलों में ईरानी नेताओं को जिस तरह चुन–चुनकर निशाना बनाया जा रहा है, उससे नेतृत्व के स्तर पर कोई संकट पैदा होता है या यह सिलसिला कट्टरपंथी आवाजों को ही मजबूत करने का काम करेगा। जो भी हो, युद्ध रुकने के बाद भी बातचीत की डगर आसान नहीं दिखती। अमेरिका द्वारा वार्ता का दांव चलने की बात पर ईरानी खेमे की प्रतिक्रियाएं भी यही संकेत करती हैं।

एक हद तक यह संभव है कि अमेरिकी–इजरायली हमलों में ईरानी परमाणु कार्यक्रम की कमर टूट जाए और नौसेना निस्तेज पड़ जाए, लेकिन ईरान की ड्रोन एवं मिसाइल क्षमता ने खाड़ी देशों की सांसें अटका रखी हैं। इतना ही नहीं, हिंद महासागर स्थित अमेरिका–ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर ईरानी मिसाइलों के वार ने भी दिखाया कि तेहरान कहां तक मार करने में सक्षम है। भले ही यह लड़ाई अमेरिका और इजरायल मिलकर लड़ रहे हों, लेकिन दोनों पक्षों के बीच कई बिंदुओं पर असहमति भी उभरी है। ईरान के साउथ पार्स तेल एवं गैस क्षेत्र पर इजरायली हमले पर अमेरिका ने स्पष्ट रूप से कहा कि इसे लेकर उसे विश्वास में नहीं लिया गया। बाद में भले ही नेतन्याहू ने ईरानी ऊर्जा परिसंपत्तियों को निशाना न बनाए जाने के संकेत दिए, लेकिन यह तो सामने आया ही कि इजरायल ने अपनी योजनाएं पूरी तरह साझा नहीं कीं। इस हमले से तिलमिलाए ईरान ने खाड़ी देशों के कई प्रमुख तेल एवं गैस क्षेत्रों पर हमले किए, जिसके बाद ऊर्जा संसाधनों की कीमतें आसमान चढ़ने लगीं।

इस युद्ध में अमेरिका और नाटो सहयोगियों के बीच असहयोग भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। होर्मुज जलमार्ग में आवाजाही को सुचारु बनाए रखने की ट्रंप की अपील को नाटो देशों ने कोई तवज्जो नहीं दी। केवल ब्रिटेन ही कुछ सीमित सहयोग के लिए आगे आया। वहीं, ईरान ने चतुराई भरा दांव चलते हुए कहा कि होर्मुज जलमार्ग केवल हमलावर देशों एवं उनके सहयोगियों को छोड़कर बाकी सबके लिए तो खुला है। ईरान ने अपने हमलों से उस अमेरिकी रक्षा कवच की सीमाएं भी उजागर कर दीं, जिसके भरोसे खाड़ी देश बैठे रहे। ईरान ने जता दिया कि उनके लिए अमेरिकी रक्षा कवच अभेद्य नहीं है। इस युद्ध से शिया और सुन्नी के बीच वैचारिक टकराव की खाई भी चौड़ी होती जा रही है।

इस पूरे संकट में संयुक्त राष्ट्र का मूकदर्शक बने रहना भी बड़े सवाल खड़े करता है।

खाड़ी देशों और जार्डन पर ईरानी हमलों की निंदा के अलावा संयुक्त राष्ट्र सिर्फ खानापूर्ति ही करता दिखा है। ओमान सहित कुछ अन्य देश बीच–बचाव के लिए सक्रिय हैं, लेकिन अब युद्ध रोकने के लिए ईरान बहुत कड़ी शर्तें सामने रख रहा है। हाल–फिलहाल शांति के किसी स्वीकार्य समझौते पर बात बनती तो नहीं दिखती, लेकिन हम ऐसी उम्मीद तो कर ही सकते हैं। साल 1961 के बाद यह पहला मौका था जब ईद और नौरोज एक ही समय पर मनाए गए। कहना कठिन है कि क्या ऐसा दुर्लभ संयोजन इस क्षेत्र में युद्ध विराम का निमित्त बनकर क्षेत्र में शांति एवं खुशहाली ला सकता है?

जिद छोड़ें ईरान-अमेरिका तभी थमेगी जंग

अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के करीब चार हफ्तों बाद समझौते की इच्छा जताते हुए 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि दोनों देशों की शर्तें कड़ी हैं और भरोसे की कमी बड़ी बाधा बनी हुई है। फिलहाल शांति के लिए हमले रोककर साझा समाधान तलाशना जरूरी है, क्योंकि सैन्य ताकत से सिर्फ तबाही बढ़ेगी। ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी।

अमेरिका की शर्तें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे।

समझौते की कोशिश। ये लाइनें लिखे जाने तक इन प्रस्तावों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। भरोसे की कमी। ईरान और अमेरिका एक–दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने–सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है।

मजहबी खेमों की भी मोर्चेबंदी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष ने पहले से जटिल इस स्थिति को और भी उलझा दिया है। पाकिस्तान के लिए वर्तमान स्थिति अपनी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को वापस पाने की भी है। अतीत पर दृष्टि डालें तो पाकिस्तान ऐसे मौकों को भुनाने में पारंगत रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष अब बहुस्तरीय, भू–राजनीतिक और वैचारिक बन गया। पश्चिम एशिया में छिड़ा युद्ध केवल ईरान बनाम इजरायल या तेहरान बनाम वाशिंगटन संघर्ष के रूप में ही सिमटकर नहीं रह गया है। यह टकराव अब और खतरनाक स्वरूप लेकर बहुस्तरीय बनता जा रहा है। इसमें भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के साथ ही वर्गीय पहचान, वैचारिक वैधता और रणनीतिक अवसरवाद जैसे पहलू भी जुड़ते जा रहे हैं। संघर्ष का दायरा भी गाजा की सड़कों से लेकर पाकिस्तान के जनजातीय इलाकों तक फैल गया है। इसमें शिया–सुन्नी टकराव की लकीरें भी चौड़ी हो रही हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने अपने वैचारिक प्रभाव को अपनी सीमाओं से परे बढ़ाने के भरसक प्रयास किए।

चूंकि इस इलाके की आबादी मुख्य रूप से सुन्नी बहुतायत वाली है, इसलिए शिया बहुल ईरान को वैचारिक मोर्चे पर वैधता के लिए संघर्ष ही करना पड़ा। अपने वैचारिक प्रभाव की राह में आ रहे अवरोधों की काट के लिए उसने स्वयं को फलस्तीन संघर्ष जैसी उन मांगों के साथ जोड़ लिया, जिसमें वैचारिक दरारों के लिए कोई जगह ही नहीं बचे। इसके लिए उसने कुछ संगठनों को पोषित करने से भी परहेज नहीं किया। इससे जहां ईरान के नेतृत्व में शिया संगठनों का नेटवर्क उभरा तो दूसरी ओर सुन्नी प्रभाव वाले सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के राजशाही वाले देश थे। अमेरिकी सुरक्षा ढांचे पर निर्भर इन देशों की समय के साथ इजरायल के साथ नजदीकियां भी बढ़ती गईं। दोनों खेमों के बीच यह विभाजन केवल मजहबी नहीं, बल्कि भूराजनीतिक भी है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष की परतें मजहबी मान्यताओं से अधिक राजनीतिक हितों और शक्ति–संतुलन से जुड़ी हैं। सुन्नी देश ईरान को एक विस्तारवादी वैचारिक खतरे के रूप में देखते हैं, क्योंकि वह अपने प्रभाव के विस्तार के लिए प्रयासरत है और विभिन्न संगठनों के जरिये अपनी पकड़ मजबूत करता है। वहीं, ईरान सुन्नी देशों को पश्चिमी शक्तियों के ऐसे प्रतिनिधि के रूप में देखता है, जो उसके प्रभाव को सीमित करने का काम करते हैं। यही इस संघर्ष का केंद्रीय विरोधाभास है, जहां एक शिया खेमा सुन्नी असंतोष से ताकत हासिल करता है, वहीं सुन्नी शासन तंत्र उसी पश्चिम–समर्थित व्यवस्था के साथ खड़ा है, जिसका अक्सर उसके अपने लोग ही विरोध करते हैं।

ईरान के विरुद्ध अमेरिका–इजरायल की कोई जमीनी या व्यापक सैन्य कार्रवाई 2003 के इराक युद्ध की तुलना में कई गुना जटिल होगी। उन्हें भौगोलिक, सैन्य और वैचारिक तीनों ही स्तरों पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। ईरान, इराक जैसा नही हैं। यह आकार में कहीं बड़ा, सामाजिक रूप से अधिक सुसंगठित और मूलतरू एकजुट राष्ट्र है। यहां स्थानीय मिलीशिया भी मजबूत हैं, जो एक साथ कई मोर्चे खोलने की क्षमता रखते हैं। ईरान की पूर्वी सीमा पाकिस्तान और अफगानिस्तान से सटी हुई है। सुन्नी विद्रोहियों का गढ़ होने के नाते यह चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र रहा है। आइएसआइएस–खुरासान और जैश अल–अदल जैसे संगठन इसी क्षेत्र में सक्रिय हैं।

ये कट्टर शिया विरोध की जमीन पर ही पनपे हैं और ईरान का प्रतिरोध करते हैं। ये समूह एक वैकल्पिक दबाव तंत्र बना सकते हैं। यानी ईरान के पश्चिमी मोर्चों पर मजबूत किलेबंदी से टकराने के बजाय उसकी पूर्वी सीमा पर अस्थिरता पैदा की जा सकती है। इससे ईरान के सुरक्षा ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। उसे पूर्वी सीमा पर अपने सैन्य संसाधन झोंकने पड़ेंगे, जिससे दूसरे मोर्चों पर उसकी कमजोरियां बढ़ेंगी। अमेरिका सोवियत–अफगान युद्ध के दौरान ऐसे पैंतरे आजमा कर सैन्य हस्तक्षेप के बिना ही रणनीतिक लाभ हासिल कर चुका है। हालांकि आज हालात उतने अनुकूल नहीं। उस दौर के उलट आज अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकियों में एका का अभाव है। उन पर नियंत्रण भी मुश्किल है। एक बार सक्रिय करने के बाद उन्हें निष्क्रिय करना भी मुश्किल है। कई बार तो ये भस्मासुर साबित होते हैं।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष ने पहले से जटिल इस स्थिति को और भी उलझा दिया है। पाकिस्तान के लिए वर्तमान स्थिति अपनी भूराजनीतिक प्रासंगिकता को वापस पाने की भी है। अतीत पर दृष्टि डालें तो पाकिस्तान ऐसे मौकों को भुनाने में पारंगत रहा है। सोवियत–अफगान युद्ध में अपने सहयोग के बदले उसने वाशिंगटन से तमाम सामरिक एवं आर्थिक लाभ हासिल किए। पाकिस्तान को ईरान संकट में भी ऐसा ही मौका नजर आ रहा है, पर इस बार शायद उसके भाग्य से छींका न टूटे। इसका कारण यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन अब पाकिस्तानी रहमोकरम पर नहीं। वह अपनी स्वायत्तता पर अड़ा है। पाकिस्तानी दबाव का प्रतिरोध करने के साथ ही वह अपनी प्राथमिकताएं भी तय कर रहा है।

धुरंधर पर फालतू का रोना-धोना

ऐसी फिल्मों की गिनती करना कठिन है, जिन पर किसी को आपत्ति न हुई हो। हाल में ऐसी कई फिल्में आ चुकी हैं, जिनका विरोध हुआ अथवा जिन्हें प्रतिबंधित करने की मांग की गई, जैसे द कश्मीर फाइल्स और केरला स्टोरी। कुछ ऐसी फिल्में भी रहीं, जिनका विरोध करने के लिए लोगों ने सड़कों पर उतरकर उत्पात मचाया या फिर निर्माता–निर्देशकों को धमकाया। याद करें कि संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत का कुछ समूहों ने कैसा हिंसक विरोध किया था? इस विरोध का आधार यह था कि फिल्म में रानी पद्मिनी और आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी के बीच प्रेम प्रसंग दिखाया गया है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से फिल्म प्रतिबंधित करने की याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद वह रिलीज तो हुई, पर कई लोगों का गुस्सा तब तक शांत नहीं हुआ, जब तक यह सामने नहीं आया कि वे फिल्म में जिस कथित विकृत चित्रण की आशंका से दुबले हुए जा रहे थे, वह निर्मूल थी। कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जिन्हें इसलिए विरोध का सामना करना पड़ा, क्योंकि उनमें सच दिखाया गया था। द कश्मीर फाइल्स के अलावा मणिरत्नम की रोजा ऐसी ही फिल्म थी। रोजा का विरोध इस बेवकूफी भरे कुतर्क के सहारे हुआ कि फिल्म में कश्मीरी आतंकियों का पक्ष नहीं दिखाया गया और उनका नकारात्मक चित्रण किया गया है। जाहिर है कुछ लोग यह चाह रहे थे कि आतंकियों को भले मानुष की तरह पेश किया जाता। इसे बेवकूफी के अलावा और क्या कहा जा सकता है, लेकिन ऐसी बेवकूफियों का सामना कई फिल्मकारों को करना पड़ा। कुछ ऐसी फिल्में भी रहीं, जो सचमुच बेवकूफी भरी थीं या उनमें कुछ ऐसे सीन थे, जिन्हें कोई बेवकूफ ही पचा सकता था, जैसे कबीर खान की फिल्म 83 में एक विचित्र सीन यह था कि पाकिस्तानी सैनिक इस कारण गोलीबारी रोक देते हैं, ताकि मोर्चे पर डटे भारतीय सैनिक विश्वकप फाइनल मैच की कमेंट्री चौन से सुन सकें। यह नितांत काल्पनिक और सच से कोसों दूर सीन था। इसका मकसद केवल पाकिस्तानी सैनिकों को भला आदमी दिखाना था, लेकिन आखिर इसकी जरूरत क्या थी? यह सही है कि फिल्मकार किसी सच्ची घटना पर आधारित या उससे प्रेरित फिल्म में रचनात्मक स्वतंत्रता लेते ही हैं, पर इस बहाने कुछ फिल्मकार बेवकूफी की हद भी पार कर जाते हैं।

कई बार ऐसी बेवकूफियां दर्शकों को पसंद भी आ जाती हैं, जैसे फिल्म पठान में यह दिखाया गया कि निर्वासित रा एजेंट शाहरुख खान एक पूर्व रा एजेंट जान अब्राहम के शैतानी इरादों पर आइएसआइ एजेंट दीपिका पादुकोण के सहयोग से पानी फेर देता है। दर्शक इस अजीब कथानक को पचा गए और फिल्म हिट हो गई।

पेट्रोल खत्म होने की अफवाह से

पंपों पर भीड़

गोरखपुर, संवाददाता

घरेलू गैस के बाद अब पेट्रोल–डीजल की किल्लत की अफवाह ने जोर पकड़ लिया है। इस अफवाह का ऐसा असर दिखा कि शहर से लेकर गांव तक पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

ग्रामीण क्षेत्रों मेंअंबारी, अतरौलिया, पवई, लाटघाट आदि क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म होने से कई पंप बंद हो गए। इससे शहर के स्टेशनों पर दबाव और बढ़ गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को कई पंपों पर पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

पेट्रोलपंप में गाड़ी में तेल लेने के लिए लगी भीड़

रसोई गैस के बाद जिले में पेट्रोल–डीजल की कमी की अफवाह फैल गई। इससे जिले के पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ पड़ी। कई पंप संचालकों ने नो पेट्रोल की नोटिस चस्पा कर दी। दोपहर बाद पेट्रोल पंपों पर बाइक व चार पहिया वाहनों की लंबी लाइन लग गई। भीड़ को देखते हुए कई पंपों पर पुलिस बुलानी पड़ी। सलोन में एक पंप पर तो पेट्रोल के लिए लोगों में धक्का–मुक्की तक हुई। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया। अधिकारियों ने कई पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर लोगों को अफवाह से बचने की सलाह दी।

खाड़ी में बढ़े युद्ध का असर दिखने लगा है। रसोई गैस के लिए एजेंसियों में लंबी लाइन रोज लग रही है। डीजल–पेट्रोल खत्म होने की अफवाह फैल गई। देखते ही देखते दोपहर बाद बाइक और चार पहिया वाहनों की लंबी कतारें पेट्रोल पंपों पर लग गईं। कई पेट्रोल पंपों पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि संचालकों को ईंधन नहीं है के नोटिस चस्पा करने पड़े। कुछ स्थानों पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। हंगामे के कारण पंपों पर काम करने वाले कर्मचारी भी इधर–उधर चले गए।

सीएम योगी का कन्या पूजन

पांव पखारकर मुख्यमंत्री ने कराया भोजन, दक्षिणा और उपहार दिए, लिया आशीष

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में नवमी पर कन्या पूजन किया। उन्होंने नौ कन्याओं का आशीर्वाद लिया और बटुक भैरव की पूजा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मंदिर में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ कन्या पूजन किया गया। उन्होंने मां सिद्धिदात्री की पूजा की और नौ छोटी कन्याओं के पैर धोकर, उन्हें तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर और भोजन (प्रसाद) कराकर आशीर्वाद लिया, जो नारी शक्ति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।

सीएम योगी ने किया कन्या पूजन

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, मां दुर्गा के नौ दिनों के अनुष्ठान की पूर्णाहुति आज होगी। नवरात्रि की नवमी तिथि सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली, सुख और समृद्धि को लाने वाली, खुशहाली प्रदान करने वाली तिथि मैं इस अवसर पर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की शुमकामनाएं देता हूं। उन सबके जीवन में मां की कृपा सदैव बनी रहे, उनके जीवन में खुशी और समृद्धि हो इसकी शुमकामनाएं मैं प्रदेशवासियों को देता हूं। नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का पावन जन्म उत्सव भी रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम भारत के सनातन धर्म की परंपरा में भारतीय जीवन पद्धति के एक अत्यंत आदर्श के रूप में हर भारतीय के लिए सदैव प्रेरणा रहे हैं। चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की आराधना के बाद सीएम योगी, देवी स्वरूपा कन्याओं का पांव पखारकर उनका पूजन किया।

उन्हें भोजन कराने के साथ दक्षिणा व उपहार प्रदान किया, कन्या पूजन के साथ उन्होंने बटुक भैरव का भी पूजन किया। कन्या पूजन का अनुष्ठान सुबह से शुरू हुआ। नवरात्र अनुष्ठान की पूर्णता के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनवमी पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में दोपहर में श्रीराम जन्मोत्सव मनाएंगे।

अष्टमी तिथि पर मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार रात गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में विधि विधान से मां महागौरी की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार, हवन व आरती के साथ मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान पूर्ण किया और मां आदिशक्ति जगतजननी से प्रदेशवासियों के मंगल की प्रार्थना की।

चैत्र नवरात्र के पहले ही दिन से गोरखनाथ मंदिर में देवी आदिशक्ति भगवती के अलग–अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना का क्रम जारी है। बुधवार को गोरखपुर आए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र की अष्टमी तिथि पर बृहस्पतिवार रात में मां महागौरी की विधि विधान से आराधना की।

इसके बाद उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार अष्टमी का हवन किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ महाष्टमी की आराधना पूर्ण हुई।

बच्ची ने जब सीएम योगी को भेंट किया बुलडोजर

मुख्यमंत्री ने मासूम को किया दुलार, खिंचवाई फोटो

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पांच वर्षीय यशस्विनी ने मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों को कुछ दबंगों द्वारा डराने, धमकाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक में निर्देशित किया, 'गुंडागर्दी करने वालों को उठाकर बंद करो।' उन्होंने कहा कि किसी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त जमानत पर छूटने के बाद वादी को धमका रहा हो तो जमानत निरस्त कराने की कार्रवाई की जाए। इस दौरान कानपुर की रहने वाली पांच वर्षीय यशस्विनी ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री को खिलौने वाला बुलडोजर दिया।

खूब पढ़ाई करना और इस खिलौने से खेलना... सीएम से मिलने के बाद बोली कानपुर की यशस्विनी

मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब बच्ची से पूछा कि मुख्यमंत्री ने आपको क्या दिया तो बच्ची ने बताया कि सीएम ने उसे चॉकलेट दी है। जो खिलौना बच्ची ने दिया था सीएम ने उसे लेने के बाद हंसते हुए वापस लौटा दिया। बच्ची ने बताया कि सीएम ने उससे कहा कि खूब पढ़ाई करना और बुलडोजर से खेलना।

पत्नी ने लगाया आरोप– शादी के बाद हमेशा दूरी बनाकर रखा– धोखे से कर लिया विवाह

गोरखपुर,संवाददाता। आरोप है कि, जब उसने इस बारे में अपने ससुराल पक्ष से सवाल किया तो ससुर की ओर से यह कहकर टाल दिया जाता था कि उसके पति का इलाज चल रहा है और वह जल्द ही ठीक हो जाएगा। महिला का आरोप है कि बाद में उसे जानकारी मिली कि उसका पति नपुंसक है और इस तथ्य को जानबूझकर उससे छुपाया गया था। कैंपियरगंज थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का कहना है कि उसके पति की नपुंसकता की बात छुपाकर उससे शादी की गई और बाद में उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सिकरीगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने बताया कि शादी के बाद उसका पति उससे दूरी बनाए रखता था और उसके पास नहीं आता था। आरोप है कि, जब उसने इस बारे में अपने ससुराल पक्ष से सवाल किया तो ससुर की ओर से यह कहकर टाल दिया जाता था कि उसके पति का इलाज चल रहा है और वह जल्द ही ठीक हो जाएगा। महिला का आरोप है कि बाद में उसे जानकारी मिली कि उसका पति नपुंसक है और इस तथ्य को जानबूझकर उससे छुपाया गया था। उसने आरोप लगाया कि इस सच्चाई के सामने आने के बाद उसके पति, सास, ससुर और देवर ने उसके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। करीब एक माह पूर्व सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और उसके जेवर व अन्य सामान छीनकर उसे घर से निकाल दिया। वह मजबूरी में अपने मायके में रहने लगी। इस संबंध में थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

यूपी के स्कूलों में 1 अप्रैल से नया नियम होगा लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अप्रैल से शुरू हो रहे नए शैक्षणिक सत्र में माध्यमिक विद्यालयों की प्रार्थना सभा में छात्र–छात्राएं अखबारों की सुर्खियां पढ़ेंगे, कठिन शब्दों का अर्थ समझेंगे और भाषा पर पकड़ मजबूत करेंगे। इसके साथ ही विद्यालयों में मोबाइल लाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की पढ़ने की आदत विकसित करने और बढ़ते स्क्रीन टाइम पर लगाम लगाने के लिए समाचार पढ़ने को अब शैक्षणिक कैलेंडर का हिस्सा बना दिया गया है।

इससे पहले दिसंबर में बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए समाचार पढ़ना अनिवार्य करने का आदेश जारी किया था।

सत्र की शुरुआत में विद्यार्थी प्रार्थना सभा में प्रमुख समाचार पढ़ेंगे। शिक्षकों की जिम्मेदारी होगी कि वे समाचारों में आए कठिन शब्दों का सही उच्चारण कराएं और उनका अर्थ व वाक्य प्रयोग भी समझाएं। इससे विद्यार्थियों की भाषा दक्षता और सामान्य ज्ञान दोनों मजबूत होंगे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और मंडलीय शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस व्यवस्था को लागू कराया जाए।

यह पहल पहले जारी आदेशों को प्रभावी रूप से जमीन पर उतारने के लिए की जा रही है। वहीं, विद्यालयों में छात्रों के मोबाइल लाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। परिषद का मानना है कि किशोरावस्था में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास पर प्रतिकूल असर डालता है।

आंखों की रोशनी कमजोर होना, पढ़ाई में ध्यान की कमी और ऑनलाइन गेम्स की लत जैसी समस्याओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। एक ओर जहां स्क्रीन टाइम कम करने पर जोर है, वहीं दूसरी ओर डिजिटल साक्षरता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। सभी पंजीकृत विद्यार्थियों के ईमेल आईडी बनवाए जाएंगे और उन्हें इसके व्यावहारिक उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्मार्ट क्लास, सूचना प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शैक्षणिक प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

गैस सिलिंडर के बाद अब पेट्रोल की लाइन

–लखनऊ

रामनवमी पर झूमी अयोध्या

साधु–संतों ने की पुष्पवर्षा, गूंजे बधाई गीत लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

अयोध्या,संवाददाता। रामनवमी पर अयोध्या में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक 10 लाख से अधिक ने सरयू में डुबकी लगाई। इस मौके पर शहर भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। भगवान श्रीराम के जन्म होते ही साधु संतों ने पुष्पवर्षा की। बधाई गीत गाए। यूपी के अयोध्या में शुक्रवार को रामनवमी पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक करीब 10 श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर लिया। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। इस वर्ष पिछले साल से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन ने पहले से ही पेट्रोल–डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की है। सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी ग्राउंड जीरो पर मौजूद रहे।

कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। उधर, रामलला के जन्म के शुभ अवसर पर भए प्रकट कृपाला दीनदयाला की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कनक भवन और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते नजर आए।

रामभक्तों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट ली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा। रामभक्तों ने पूरे उत्साह और हर्ष के साथ अपने रामलला का जन्मोत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट बदली। सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा।

साधु–संतों ने की पुष्पवर्षा, गूंजे बधाई गीत

भगवान श्रीराम के जन्म होते ही पूरे अयोध्या में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। इस दौरान साधु–संतों ने राम पथ से राम जन्मभूमि पथ होते हुए श्रीराम मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुआ इंटर–मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे समूह की अध्यक्षता

ऊर्जा सुरक्षा, तेल–गैस आपूर्ति पर रखेगा नजर

पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाया, लॉकडाउन अफवाहें खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनावपूर्ण संघर्ष ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। ऐसे में भारत सरकार ने कदम उठाते हुए एक अहम फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मिडिल ईस्ट संकट से पैदा होने वाले विभिन्न मुद्दों पर लगातार नजर रखने और उनका समाधान करने के लिए एक इंटर–मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन किया है।

राजनाथ सिंह करेंगे ग्रुप की अध्यक्षता

इस ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। ग्रुप में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अन्य संबंधित मंत्री सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह ग्रुप मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों खासकर ऊर्जा सुरक्षा, तेल–गैस आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता पर नजर रखेगा। सरकार का यह कदम इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की आधी जरूरत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात करता है। हाल के हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से टैंकरों की आवाजाही पर असर हुआ है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। भारत में ईंधन की कीमतों में उछाल या पैनिक स्थिति न बने, इसके लिए यह ग्रुप एक्टिव रूप से काम करेगा।

जनता को राहत देने का फैसला

इसी क्रम में सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य कर दी है। डीजल निर्यात पर लगने वाले लाभ कर और जेट फ्यूल पर करों में भी संशोधन किया गया है।

केंद्र ने लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई मंत्रियों ने साफ कहा कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा। जनता से पैनिक न फैलाने की अपील की गई है। राजनाथ सिंह की अगुवाई वाला यह इंटर–मिनिस्ट्रियल ग्रुप देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए निरंतर निगरानी रखेगा।

सीएम योगी बोले– किसी की जमीन दबंग कब्जा कर रहे तो करें सख्त कार्रवाई, उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान कराएं।

समस्या से जुड़ी शिकायत को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार आपकी हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए।

पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। गरीबों की संपत्ति पर गरीबों का ही कब्जा सुनिश्चित होना चाहिए। जनता दर्शन में कई पारिवारिक विवाद के मामले भी आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उभयपक्षों के बीच पहले संवाद और बात न बनने पर यथोचित विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

मंदिर की गोशाला में गोवंश को दुलारकर खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए गोवंश के माथे पर हाथ फेरा। उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का पूरा सफर

25 साल पहले हुई परिकल्पना, अब पहले चरण का उद्घाटन

लखनऊ,संवाददाता। साल 2001 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह की ओर से जेवर में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल और एविएशन हब (टीआईएएच) रूप में एयरपोर्ट प्रस्तावित किया गया था। अब 25 साल बाद नोएडा के जेवर में यह एयरपोर्ट उद्घाटन के लिए तैयार है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का संचालन इस महीने के अंत में शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बने इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने ही 2021 में इसकी नींव रखी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस हवाई अड्डे की परिकल्पना की थी। करीब 25 साल के बाद उनकी परिकल्पना धरातल पर उतरने जा रही है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना क्या है? इसका निर्माण किसने किया है? हवाई अड्डे के लिए जेवर को ही क्यों चुना गया? इसे बनाने की योजना कब से पाइपलाइन में थी? इसके अलावा हर साल इस एयरपोर्ट में कितनी आवाजाही का अनुमान लगाया गया है? इसमें कितना खर्च आएगा? भविष्य में इस एयरपोर्ट के विस्तार की क्या योजना है? आइये जानते हैं...

क्या है नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना?

वर्ष 2001 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह की ओर से जेवर में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल और एविएशन हब (टीआईएएच) रूप में एयरपोर्ट प्रस्तावित किया गया था। तत्कालीन केंद्र की अटल बिहारी सरकार ने अप्रैल 2003 में एयरपोर्ट की स्थापना के लिए तकनीकी–व्यवहार्यता रिपोर्ट को स्वीकार किया था। हालांकि, इसके बाद एयरपोर्ट बनाने की यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। नवंबर 2021 में जब इस एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ था, तब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र के लिए महत्वाकांक्षी योजना करार दिया था। माना जाता है कि सरकार ने इस एयरपोर्ट के जरिए आसपास के छोटे शहरों खासकर अलीगढ़, मेरठ, मथुरा और अन्य को बेहतर उड़ान कनेक्टिविटी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा है।

इस एयरपोर्ट का निर्माण कौन कर रहा है?

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण के लिए नीलामी 2019 में की गई थी। इसमें ज्यूरिख एयरपोर्ट ने अदाणी ग्रुप के मुकाबले बेहतर बोली लगाई और निर्माण का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया। अक्तूबर 2020 में यूपी सरकार ने नीलामी जीतने वाले कंपनी से एक विशेष छूट का कॉन्ट्रैक्ट भी साइन किया था। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लिमिटेड एक साझा वेंचर है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार का 37.5 फीसदी, नोएडा प्राधिकरण का 37.5 फीसदी, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक प्राधिकारण का 12.5 फीसदी और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण की 12.5 फीसदी शेयर होल्डिंग है।

कैसी है एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी?

एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेस–वे के करीब बनाया गया है, जो कि ग्रेटर नोएडा और आगरा को सीधे जोड़ता है। इस एयरपोर्ट को बल्लभगढ़ के जरिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे से जोड़ा जाएगा। इस एक्सप्रेस–वे को बल्लभगढ़ के करीब दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस–वे से जोड़ा जाएगा। वहीं, एयरपोर्ट को खुर्जा–जेवर के बीच एनएच–91, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, नोएडा से नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक प्रस्तावित मेट्रो एक्सटेंशन से भी कनेक्ट किया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली–वाराणसी के बीच प्रस्तावित हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर का एक स्टेशन एयरपोर्ट के करीब ही प्रस्तावित है। एक्सप्रेसवे के समानांतर बनी एक 60 मीटर चौड़ी सड़क को 100 मीटर तक चौड़ा किया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट को गाजियाबाद–जेवर के बीच बनने वाले एक रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम से भी जोड़ा जा रहा है, जो कि 71.1 किमी लंबा होगा। इस मार्ग पर 11 स्टेशन होंगे और इसके निर्माण में 16 हजार करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। इसके अलावा आने वाले समय में हिसार के एयरपोर्ट और नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का निर्माण भी किया जा रहा है।

कब से हो रही थी एयरपोर्ट को बनाने की तैयारी?

नोएडा के करीब एक एयरपोर्ट बनाने की चर्चा करीब 25 साल पुरानी है।

एयरपोर्ट से यूपी को कितने हिस्से को फायदा?

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों के लिए हवाई सेवा का ट्रांजिट पॉइंट बन सकता है। मसलन, नोएडा, ग्रेटर नोएडा के करीब रहने वाली बड़ी जनसंख्या इस एयरपोर्ट का इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा पश्चिमी यूपी के शहर, जैसे अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ, मथुरा, आगरा समेत अन्य जिलों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट अहम साबित होगा। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट पर ट्रैफिक और भीड़ के मद्देनजर नोएडा एयरपोर्ट दिल्ली और गुरुग्राम के निवासियों के लिए भी अहम ट्रांजिट पॉइंट बनकर उभर सकता है।

नोएडा एयरपोर्ट को पहले फेज में हर वर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता वहन करने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। पहले फेज के पूरा होने की टाइमलाइन तीन साल रखी गई थी। यानी एयरपोर्ट निर्माण का पहला फेज 29 सितंबर 2024 तक पूरा किया जाना था। हालांकि, कोरोनावायरस महामारी के चलते इसमें कुछ देरी हुई है और अब इसका उद्घाटन होने जा रहा है। हालांकि, इस फेज का उद्घाटन होने के बाद अगले सभी फेज के लिए टाइमलाइन को कम करने का लक्ष्य रखा गया है।

क्या है नोएडा एयरपोर्ट के लिए भविष्य की योजना?

नोएडा एयरपोर्ट में हर फेज में एयरपोर्ट की यात्री क्षमता को बढ़ाया जाएगा और चौथे फेज के पूरा होने तक यह हवाई अड्डा हर साल 7 करोड़ यात्री की क्षमता तक पहुंच जाएगा। इसके सभी फेज पूरे होने का समय 30 साल निर्धारित किया गया है। पहले फेज में जेवर एयरपोर्ट को बनाने का खर्च करीब 5730 करोड़ रुपये है, जो कि 30 साल के अंतराल और चार फेज पूरे होने के बाद 29,560 करोड़ तक पहुंच जाएगा।

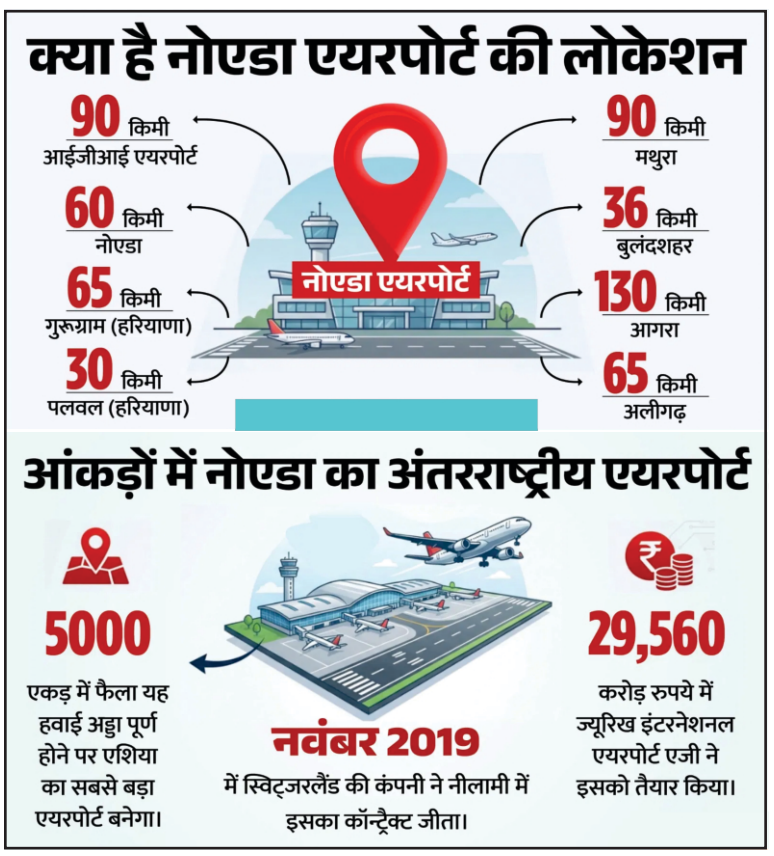

यूपी में अब झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों पर होगी कार्रवाई

डीजीपी राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश पुलिस को झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यदि एफआईआर में गलत तथ्य पाए जाते हैं।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। राज्य में अब पुलिस झूठा मुकदमा दर्ज कराने वालों पर भी कार्रवाई करेगी। इस संदर्भ में डीजीपी राजीव कृष्ण ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि एफआइआर में दर्ज तथ्य गलत पाए जाते हैं तो उन तथ्यों को बताने वाले व झूठी गवाही देने वालों के विरुद्ध अनिवार्य रूप से मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

की जाएगी। हाईकोर्ट ने पिछली 14 जनवरी को पुलिस को निर्देश दिया था कि विवेचना के बाद अगर गलत तथ्य दिए जाने का मामला जानकारी में आता है तो उसकी सूची तैयार की जाए। साथ ही इस प्रकार के मामलों में गलत तथ्य देने वालों के विरुद्ध भी संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया जाए। वहीं परिवाद प्रस्तुत करने से पहले संबंधित के बयान ऑडियो व वीडियो के माध्यम से भी संकलित किए जाएं। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी भी की है कि कई बार इस प्रकार के मामले भी आते हैं कि शिकायतकर्ता द्वारा बढ़ा चढ़कर आरोप लगाए जाते हैं और विवेचना के बाद मामला कुछ और निकलता है। इस प्रकार के मामलों में पर्यवेक्षण अधिकारी की स्वीकृति के बाद मुकदमा दर्ज किया जाए।

खुद का रोजगार करें शुरू

यूपी सरकार दे रही 25 लाख रुपये, ब्याज भी नहीं लगेगा, 8वीं पास के लिए भी मौका

आगरा,संवाददाता। युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं के तहत 25 लाख तक ऋण और अनुदान की जानकारी दी गई। नई योजना में 5 लाख तक ब्याज मुक्त लोन और टूलकिट वितरण के जरिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आगरा जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, नुनिहाई में बुधवार को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के मद्देनजर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 10वीं पास युवा उत्पादन क्षेत्र में 25 लाख और सेवा क्षेत्र में 10 लाख रुपये तक का ऋण 25 प्रतिशत अनुदान के साथ ले सकते हैं। वहीं, नई सीएम युवा योजना के तहत 8वीं पास पात्र अभ्यर्थियों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण और 10 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूलकिट वितरित की गई और बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों को सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने युवाओं से संवाद कर उनकी शंकाओं का समाधान किया और ऑनलाइन पोर्टल उेउम.नच.हवअ.पद पर आवेदन की अपील की। इस दौरान अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक सहित कई उद्यमी मौजूद रहे।

मोदी जी, ईरान अमेरिका युद्ध रुकवा दीजिए...

जम्मू–कश्मीर विधानसभा में बोले सीएम उमर अब्दुल्ला

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और अवैध बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की है और प्रधानमंत्री मोदी से इस ...

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र का दूसरे चरण के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और अवैध करार देते हुए इसकी निंदा की है।

इतना ही नहीं, सीएम उमर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस युद्ध को समाप्त करने के लिए हस्तक्षेप करने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से अनुरोध है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभाव और भारत के मजबूत कूटनीतिक संबंधों का उपयोग करके इस युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करें।

बीजेपी विधायकों ने किया विरोध

अब्दुल्ला ने विधानसभा में सदन के नेता के तौर पर यह बयान दिया। उन्होंने यह बयान तब दिया जब नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई सदस्यों ने एक संक्षिप्त बयान देने पर जोर दिया, जबकि ठश्रच विधायकों ने इसका विरोध किया। ठश्रच विधायकों का कहना था कि ईरान संकट एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है और यह इस सदन के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी और अपने सहयोगियों की ओर से, मैं ईरान पर थोपे गए इस अन्यायपूर्ण और अवैध युद्ध की कड़ी निंदा करता हूं। मैं अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके सहयोगियों, तथा उन सभी लोगों के जान गंवाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं अपने प्रधानमंत्री से भी पूरी ईमानदारी से अपील करता हूं कि वे इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने में मदद के लिए उपलब्ध सभी कूटनीतिक माध्यमों और संबंधों का उपयोग करें। इससे न केवल हमें, बल्कि पूरी मानवता को लाभ होगा।

चाचा ने 3 भतीजे भतीजी को गला रेतकर मार डाला

संवाददाता, औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र में सनसनीखेज घटना हुई। इटवा पंचायत के खुटहन गांव में एक ही परिवार के तीन बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि चाचा ने ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय घर को अंदर से बंद कर दिया गया था। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत और मातम पसरा है। ग्रामीण स्तब्ध हैं और परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। आरोपित अमंत पाल (18) ने अपनी दो भतीजा और एक भतीजी की हत्या कर दी। मृतकों में आयुष (7), अनुष्का (5) और अनीष (10) शामिल हैं।

ऊर्जा संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला; पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 किया, डीजल पर शून्य

भारत में पेट्रोल–डीजल पर उत्पाद शुल्क घटा

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ने से देश की तेल विपणन कंपनियों पर भारी दबाव में था और उनका घाटा बढ़ रहा था। अब सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय उत्पाद शुल्क घटाने का फैसला किया है। आइए जानते हैं इस फैसले का क्या असर होगा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके कारण उपजे ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दरअसल वित्त मंत्रालय द्वारा 26 मार्च को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, प्रति लीटर पेट्रोल–डीजल पर 10 रुपये एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम के बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 13 रुपये थी, वो अब घटकर 3 रुपये रह गई है और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 10 रुपये थी, वो अब शून्य हो गई है।

तेल कंपनियों को सरकार ने दी बड़ी राहत

यह कदम पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों से जूझ रही तेल विपणन कंपनियों, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी, को राहत देने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कटौती तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि सरकार ने इस संकट के बावजूद अभी तक पेट्रोल–डीजल के दाम स्थिर रखे हैं, जिससे देश में ईंधन विपणन कंपनियां दबाव में थीं।

तेल विपणन कंपनियों का घाटा कम होगा

रेटिंग एजेंसी प्ब्। ने गुरुवार को जारी नोट में कहा कि यदि कच्चे तेल का औसत मूल्य 100–105 डॉलर प्रति बैरल तक रहता है, तो ईंधन कंपनियों को पेट्रोल पर 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 14 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो सकता है।नइस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, जो बाद में घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल रह गईं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का करीब आधा आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संघर्ष बढ़ने के साथ ईरान ने इस जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया, जिससे टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई।

नायरा एनर्जी ने कीमतें बढ़ाईं

नायरा एनर्जी, जो देश के 1,02,075 पेट्रोल पंपों में से 6,967 का संचालन करती है, ने बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। उसके पंपों पर पेट्रोल 100.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.31 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी की संयुक्त ईंधन रिटेल कंपनी जियो–बीपी, जिसके 2,185 आउटलेट हैं, ने भारी नुकसान के बावजूद अभी तक कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की है। सरकारी तेल कंपनियां, जो बाजार के करीब 90 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखती हैं, फिलहाल कीमतों को स्थिर बनाए हुए हैं।

क्या होता है उत्पाद शुल्क

पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक टैक्स है। इसे लगाने के पीछे मुख्य उद्देश्य राजस्व इकट्ठा करना है, जिसका उपयोग देश के विकास, बुनियादी ढांचे , रक्षा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाता है।

भारत में लाकडाउन लगेगा या नहीं

केंद्रीय मंत्री ने किया क्लियर, एक्साइज ड्यूटी पर भी दिया बयान

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने चल रहे ईरान युद्ध के बीच संभावित राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की अफवाहों को खारिज कर दिया। इन अफवाहों को पूरी तरह से झूठा बताते हुए, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत में लॉकडाउन की अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। मैं यह साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसी स्थिति में अफवाहें फैलाने और घबराहट पैदा करने की कोशिशें गैर–जिम्मेदाराना और नुकसानदेह हैं।

सरकार ने लॉकडाउन की अफवाहों को खारिज किया
हरदीप पुरी ने कहा, ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं
ईंधन, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही सरकार

सरकार पर बढ़ा बोझ

सरकार ने अपने कर राजस्व पर एक बड़ा बोझ उठाया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आसमान छूने के इस दौर में तेल कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान पेट्रोल पर लगभग 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर को कम किया जा सके। साथ ही, निर्यात कर भी लगाया गया है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं।

वैश्विक स्थिति अभी भी अस्थिर

जैसे–जैसे इजरायल–ईरान युद्ध अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश करने वाला है, पुरी ने कहा कि वैश्विक स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है, और सरकार ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखलाओं और जरूरी चीजों से जुड़े घटनाक्रमों पर वास्तविक समय के आधार पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि भारतीयों के लिए ईंधन, ऊर्जा और अन्य जरूरी चीजों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

कच्चे तेल की कीमतें छू रही आसमान

पिछले 1 महीने में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं; ये लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। दुनिया भर में उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों में कीमतों में लगभग 30:–50: की बढ़ोतरी हुई है, उत्तरी अमेरिकी देशों में 30:, यूरोप में 20: और अफ्रीकी देशों में 50: की बढ़ोतरी हुई है।

मोदी सरकार के पास दो विकल्प थे या तो भारत के नागरिकों के लिए कीमतें बहुत ज़्यादा बढ़ा दी जाएं, जैसा कि बाकी सभी देशों ने किया है; या फिर अपनी वित्तीय स्थिति पर इसका बोझ उठाया जाए, ताकि भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय बाजार की अस्थिरता से सुरक्षित रह सकें।

पेट्रोल के लिए मारा–मारी

आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर 2' पर यूट्यूबर ध्रुव राठी ने फिर साधा निशाना

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म 'धुरंधर 2' जब से रिलीज हुई है, तब से ही ध्रुव राठी नाम का यूट्यूबर इस फिल्म पर तंज कस रहा है। हाल ही में एक यूट्यूब वीडियो बनाकर इस यूट्यूबर ने 'धुरंधर 2' और इसके निर्देशक आदित्य धर को निशाने पर लिया है। जानिए, फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर ध्रुव राठी ने क्या कहा है? फिल्म 'धुरंधर 2' ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह कलेक्शन फिल्म ने आठ दिन में किया है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सफल है। वहीं सोशल मीडिया पर ध्रुव राठी जैसे यूट्यूबर इस फिल्म की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। हाल ही में एक वीडियो बनाकर ध्रुव राठी ने 'धुरंधर 2' पर निशाना साधा है। इसे एक खराब फिल्म बताया है।

ध्रुव राठी ने फिल्म की कहानी पर क्या कहा?

ध्रुव राठी ने 'धुरंधर 2 एक्सपोज्ड' नाम का वीडियो यूट्यूब पर शेयर किया है। इस वीडियो में वह आदित्य धर की फिल्म को टारगेट कर रहे हैं। ध्रुव राठी वीडियो में बताते हैं कि यह फिल्म देश का अपमान करती है, इसके सिटीजन को नीचा दिखाती है। आदित्य धर ने व्हाट्सएप फॉरवर्ड्स मैसेज से एक सिनेमैटिक यूनिवर्स बना दिया है। ध्रुव ने इस एक लीगल चीट कोड कहा है। दरअसल, फिल्म 'धुरंधर 2' मेकर्स ने कहा था कि यह काल्पनिक कहानी है, जो असल घटनाओं से प्रेरित है। इसी बात से ध्रुव राठी जैसे कई लोगों को आपत्ति है।

यूट्यूबर को लॉजिकल नहीं लगती है फिल्म

अपने वीडियो में ध्रुव राठी ने कहा, जरा लॉजिकली सोचिए तो हैरानी होती है कि क्या इसमें कोई तुक है। क्या सिर्फ एक छोटी सी समस्या के लिए इतना बड़ा कदम उठाया (नोटबंदी) जा सकता है? ध्रुव राठी ने अपने वीडियो में आरबीआई की रिपोर्ट्स का डाटा भी दिखाया। साथ ही बताया कि नोटबंदी के बाद एटीएम की लाइनों में खड़े कई नागरिकों की मौत हो गई थी, कई लोगों को दिल का दौरा पड़ा था।'

चुनाव आयोग से भी किए सवाल

फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर ध्रुव राठी ने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से कुछ सवाल पूछे हैं। वह पूछते हैं कि ऐसी फिल्म बनाना क्यों जायज है। इस फिल्म में एक राष्ट्रीय और राजनीतिक पार्टी को राष्ट्र–विरोधी दिखाया गया है। इस तरह की फिल्म आगे भी बन सकती है, इस बात की चिंता ध्रुव राठी हो रही है।

मनाया ऐसा जश्न

दीपिका पादुकोण ने मनाया धुरंधर 2 की सफलता का जश्न पति रणवीर सिंह को लेकर पहुंच गईं मुंबई के साउथ कैफे दीपिका पादुकोण से लोग इस बात पर थे नाराज

एंटरटेनमेंट डेस्क। रणवीर सिंह इस वक्त सफलता का स्वाद चख रहे हैं। उनकी फिल्म धुरंधर– द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर लगातार गर्दा उड़ा रही है। एक तरफ जहां फैंस रणवीर सिंह से काफी इम्प्रेस थे, तो वहीं दीपिका पादुकोण से वे थोड़े नाराज चल रहे थे। हालांकि, दीपिका पादुकोण ने रणवीर और अपने चाहने वालों को ज्यादा दिनों तक नाराज नहीं रहने दिया। उन्होंने श्धुरंधर 2श की सक्सेस का जश्न कुछ इस तरह मनाया कि फैंस के चेहरों पर भी बड़ी सी स्माइल आ गई।

रणवीर को लेकर रेस्टोरेंट पहुंची दीपिका पादुकोण

रणवीर सिंह की फिल्म श्धुरंधर 2श की सफलता को देखते हुए हर किसी को यही लग रहा था कि एक बड़ी पार्टी होगी, लेकिन दीपिका पादुकोण ने पति को मिली इस सफलता का जश्न बेहद सादगी भरे अंदाज में मनाया। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण हाल ही में मुंबई में लंच आउटिंग के लिए निकले, जहां कपल को चौपाटी के एक साउथ इंडियन कैफे में स्पॉट किया गया। दीपिका और रणवीर के साथ–साथ अभिनेता के पिता जगजीत सिंह भवनानी भी दिखाई दिए। इस फेमस रेस्टोरेंट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें रणवीर सिंह वहां के सभी शेफ और स्टाफ के साथ सेल्फी ले रहे हैं और इसी तस्वीर में दीपिका भी खुशी–खुशी पोज कर रही हैं। दीपिका और रणवीर इस लंच डेट पर एक–दूसरे के साथ ट्विनिंग करते दिखाई दिए। इससे कुछ दिनों पहले भी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें यह कपल लंच आउटिंग के लिए एक सीफूड रेस्टोरेंट पहुंचा था। इस दौरान बाहर एक बड़ा सा क्राउड जमा हो गया था। जैसे ही रणवीर बाहर निकले, फैंस ने बब्बर शेर के नारे लगाने शुरू कर दिए। रणवीर को धुरंधर 2 की सफलता पर फैंस का जो प्यार मिला, उसे देखकर दीपिका पादुकोण के चेहरे की खुशी डबल हो गई थी।

पृथ्वी शा–आकृति अग्रवाल की लव स्टोरी

मुंबई के छोरे को लखनऊ की लड़की से कैसे हुआ प्यार? सगाई के बाद खुला राज!

स्पोर्ट्स डेस्क। पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई ने आईपीएल 2026 से पहले सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। महीनों की अटकलों के बाद दोनों ने आठ मार्च को अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। आकृति एक सफल कंटेंट क्रिएटर हैं और जल्द फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। आईपीएल 2026 से ठीक पहले उनकी सगाई की खबर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। मुंबई की चर्चित कंटेंट क्रिएटर आकृति अग्रवाल के साथ उनका रिश्ता अब आधिकारिक रूप ले चुका है, लेकिन इस लव स्टोरी के पीछे की कहानी अब सामने आ रही है, जिसने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है।

महीनों की अटकलों के बाद हुआ खुलासा

पिछले कुछ महीनों से पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज थीं। दोनों कई बार एक दूसरे के साथ दिखे, कभी किसी कार्यक्रम में तो कभी घूमते, और साथ में कई फोटोज भी डालीं। पहले तो लोगों को लगा कि कोई दोस्त है, लेकिन दोनों ने इस सॉफ्ट लॉन्च के जरिए अपने रिश्ते के संकेत दिए। हालांकि, दोनों ने कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। आखिरकार आठ मार्च 2026 को शॉ ने सगाई का एलान कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया।

2025 में सामने आई थी लव स्ओरी

दोनों के रिश्ते की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी हल्की–फुल्की बातचीत नोटिस की। आकृति ने शॉ की पोस्ट पर श्माय परफेक्ट व्यू (मेरा बेहतरीन नजारा) कमेंट किया, जिस पर शॉ ने जवाब दिया आय यू (अरे तुम!)। यहीं से अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को मुंबई में कई बार साथ देखा गया। पैपराजी और फैंस ने उन्हें रेस्टोरेंट्स से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया, जहां वे अक्सर मैचिंग या एक जैसे रंग के आउटफिट में नजर आते थे। साल 2025 में दोनों ने गणेश चतुर्थी समारोह और कई निजी और सोशल गेदरिंग्स में साथ शिरकत की, जिससे उनके रिश्ते की खबरें और तेज हो गईं।

महिला दिवस पर खास एलान

पृथ्वी शॉ ने आकृति को अपना लकी चार्म बताया था। दिलचस्प बात यह है कि इस कपल ने अपनी सगाई के लिए आठ मार्च 2026 यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का दिन चुना। इस खास तारीख ने इस खबर को और भी खास बना दिया और सोशल मीडिया पर यह ट्रेंड करने लगी। शॉ ने सगाई को अपनी सबसे शानदार पारी कहा था। जब फैंस मैदान पर पृथ्वी शॉ के अगले कदम का इंतजार कर रहे थे, तभी भारतीय ओपनर ने मैदान के बाहर ही दिल जीत लिया। शॉ आकृति अग्रवाल के साथ इंस्टाग्राम रील शेयर करते रहते हैं और इसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद भी किया जाता है। आईपीएल 2026 के करीब आते ही 26 वर्षीय शॉ काफी सुकून महसूस कर रहे हैं। वह खुश भी नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर, ऐसा लग रहा है कि पृथ्वी शॉ ने मुश्किल भरे कुछ सीजनों के बाद अब अपनी जिंदगी में सुकून पा लिया है।

आकृति के साथ शेयर की थी खास रील

शॉ ने आकृति के साथ एक खास रील शेयर की थी। इस वीडियो में स्क्रीन पर एक सिंपल सवाल लिखा होता है– तुम दोनों कैसे मिले? इसके बैकग्राउंड में शॉ और आकृति का एक खूबसूरत वेकेशन मोमेंट दिखाया जाता है।

जैसे ही दर्शक इसे एक सामान्य कपल रील समझते हैं, वीडियो अचानक एक अलग मोड़ ले लेता है। इसमें एआई से बनाया गया एक विजुअल दिखता है, जिसमें अंदर भगवान को दिखाया जाता है। इस रील के जरिए शॉ ने इशारों–इशारों में बताया कि उनकी मुलाकात भगवान की योजना थी। फैंस को यह अंदाज बेहद पसंद आया और उन्होंने इस पर खूब प्यार लुटाया।

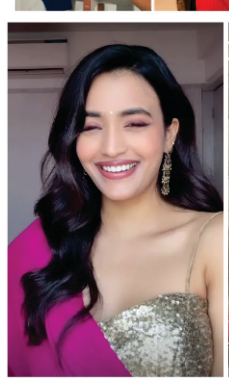

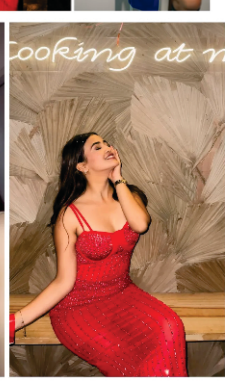

आईपीएल की शुरुआत से पहले चेन्नई को झटका

एमएस धोनी मिस करते हैं कुछ मैच
धोनी की चोट पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है

स्पोर्ट्स डेस्क। चेन्नई सुपर किंग्स का पर्यायवाची बन चुके महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल–2026 के शुरुआती दो सप्ताह तक मैदान से दूर रह सकते हैं। इसका कारण उनको लगी चोट है। धोनी को पिंडली में चोट है और अभी इससे वह पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। सीएसके ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। बयान में बताया गया है कि,धोनी इस समय रिहैब से गुजर रहे हैं। इसी कारण वह शुरुआती दो सप्ताह बाहर रहेंगे। चेन्नई को अपना पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

संजू करेंगे विकेटकीपिंग

इससे पहले टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने बताया था कि इसी सीजन टीम में आए संजू सैमसन उनके साथ ओपनिंग करेंगे और अब ये साफ है कि धोनी की गैरमौजूदगी में वही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सैमसन इस टीम में धोनी के परफेक्ट विकल्प के तौर पर देखे जा रहे हैं। विकेटकीपर–बल्लेबाज के तौर पर खिलाने के लिए टीम के पास उर्विल पटेल एक और विकल्प हैं और उनको भी प्लेइंग–11 में जगह मिल जाए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए, लेकिन हो सकता है कि वह विकेटकीपिंग न करें।

फिर आया इंडिया का त्योहार

2026 के लिए तैयार सभी 10 टीमें, क्या आरसीबी बचा पाएगी खिताब

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल 2026 का 19वां सीजन कल 28 मार्च से शुरू हो रहा है, जिसमें गतग चैंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उद्घाटन मैच खेलेगी। हर बार की तरह क्रिकेट प्रशंसक बड़े स्कोर और गेंदबाजी तथा बल्लेबाजी के बीच बेहतर प्रतिस्पर्धा देखना चाहेंगे।

शनिवार को होने वाले पहले मैच के साथ ही पूरे देश में टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा मेला फिर से सज जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट लीग आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज शनिवार से होने जा रहा है।

10 टीमें करीब दो महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए जोर लगाएंगी। सबसे ज्यादा चुनौती रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आईपीएल) के लिए होगी क्योंकि उसके सामने खिताब बचाने की जिम्मेदारी है।

क्या आरसीबी की टीम ऐसा कर सकेगी जिसने पिछले साल 18 सीजन का खिताबी सूखा समाप्त किया था। वहीं, आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीमें चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस भी ट्रॉफी के लिए जोर लगाएगी।

सीएसके, मुंबई और केकेआर को प्रदर्शन में करना होगा सुधार

सीएसके और मुंबई इन दोनों टीमों ने पांच–पांच बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम तीन बार विजेता बन चुकी है। ये तीनों टीमें अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगी। मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के पास कुल मिलाकर 13 आईपीएल खिताब हैं। लेकिन पिछला सत्र उनके लिए अच्छा नहीं रहा था।

मुंबई की टीम पिछले सत्र में चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ में पहुंची थी। पांच बार की चौंपियन यह टीम अपने इस प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेगी। केकेआर और सीएसके क्रमशः आठवें और 10वें स्थान पर रहे थे। मुंबई और सीएसके के पास एक और ट्रॉफी जीतकर आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम बनने का मौका रहेगा।

बदलाव के साथ उतरेंगी टीमें

सीएसके और केकेआर जैसी टीमों ने काफी बदलाव किया है। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन को टीम में शामिल किया तथा मैट हेनरी और नूर अहमद को भी टीम में जोड़ा है।

सीएसके की टीम महेंद्र सिंह धोनी से संभवतरू आखिरी बार शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी, जिन्होंने आईपीएल में अपने भविष्य को लेकर संशय बनाए रखा है।

केकेआर ने टिम सीफर्ट, फिन एलेन, रचिन रवींद्र और कैमरन ग्रीन को शामिल करके अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी है।

कप्तान अजिंक्य रहाणे शीर्ष क्रम में टीम को एकजुट रखने की भूमिका निभाएंगे और उपकप्तान रिंकू सिंह को उस फिनिशर की भूमिका में ढलना होगा जो आंद्रे रसेल ने 2014 से लेकर पिछले साल संन्यास लेने से पहले तक निभाई थी।

गेंदबाजी में केकेआर के पास वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन के रूप में दो तुरुप के पत्ते हैं, लेकिन उनका तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर है।

तीन टीमों ने कभी नहीं जीता खिताब

राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस अपने नाम पर एक और खिताब जोड़ने की कोशिश करेंगे, जबकि दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजाएंट्स अपना पहला खिताब जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगे। पिछली प्रतियोगिताओं की तरह इस बार भी कई ऐसे खिलाड़ी अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

इन खिलाड़ियों में दिल्ली कैपिटल्स के औकिब नबी, राजस्थान रॉयल्स के कार्तिक शर्मा, सीएसके के प्रशांत वीर आदि शामिल हैं।

क्या वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे या फिर जाने–माने खिलाड़ियों की ही तूती बोलेगी, अगले 65 दिनों में इसका जवाब मिल जाएगा।

आईपीएल 2026

इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर क्यों छिड़ी बहस?

आईपीएल 2026 से पहले इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर खिलाड़ियों और कप्तानों का विरोध बढ़ गया है, जिसमें अक्षर पटेल और शुभमन गिल जैसे नाम शामिल हैं।

ऑलराउंडर्स पर असर और खेल का संतुलन बिगड़ने की दलीलों के बावजूद बीसीसीआई ने इस नियम को 2027 तक जारी रखने का फैसला किया है।

आईपीएल 2026 के आगाज से ठीक पहले इम्पैक्ट प्लेयर नियम एक बार फिर बहस के केंद्र बन गया है। खिलाड़ियों से लेकर कप्तानों तक, कई बड़े नाम इस नियम पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इसे फिलहाल जारी रखने के पक्ष में है। ऐसे में टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही इस नियम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

अक्षर पटेल ने जताई नाराजगी

सबसे पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इस नियम का खुलकर विरोध किया। उनका मानना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम से ऑलराउंडर खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

अनन्या बिरला ने कहा

विराट कोहली मेरी टीम मै है और मैने विराट वाली टीम को खरीदा है मुझे विश्वास नहीं हो रहा है ipl के किंग मेरी टीम मै है मेरे लिए इससे बढ़कर ओर क्या हो सकता है।

शुभमन गिल ने मुंबई में खरीदा 20 करोड़ का लग्जरी अपार्टमेंट

भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने मुंबई में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है. इस आलीशान घर की कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है. गिल प्ल्स् 2026 में गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं, उनकी आईपीएल सैलरी 16.5 करोड़ रुपये है. रिपोर्ट के अनुसार जैकी भगनानी और वाशु भगनानी की कंपनी पूजा लेजर एंड लाइफस्टाइल से गिल ने ये प्रॉपर्टी खरीदी है।

अर्जुन तेंदुलकर को लेकर अश्विन के किस बयान पर भड़के योगराज?

अश्विन ने उनके खेलने पर सवाल उठाए, जिस पर योगराज सिंह भड़क गए और कड़ी प्रतिक्रिया दी। योगराज का मानना है कि अर्जुन को सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा और उनमें बड़ा खिलाड़ी बनने की क्षमता है।